AMAR UJALA MY CITY Page 5

लविवि की केंद्रीकृत दाखिले में शामिल होंगे 54 कॉलेज

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की केंद्रीकृत दाखिला प्रणाली में अब तक 54 कॉलेजों ने अपनी सहमति जाहिर कर दी है। विवि ने केंद्रीकृत काउंसलिंग से जुड़ने के लिए बुधवार रात बजे तक ईमेल के माध्यम से सहमति देने को कहा था। विवि ने बृहस्पतिवार को केंद्रीकृत दाखिले के लिए आए आवेदनों का ब्यौरा जारी किया। आवेदन करने वाले सभी 54 कॉलेजों ने काउंसलिंग फीस भी जमा कर दी है। सर्विस टैक्स के साथ विवि को इन कॉलेजों से काउंसलिंग फीस के रूप में कुल एक करोड़ 30 लाख 98 हजार रुपये प्राप्त हुए हैं।

लविवि ने पहली बार शुरू हो रही केंद्रीकृत काउंसलिंग के लिए सभी कॉलेजों से पांच जुलाई तक आवेदन करने को कहा था। इसके बाद यह तारीख 8 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई थी। आवेदन ईमेल के माध्यम से किया जाना था। आठ जुलाई शाम तक इसके लिए 35 कॉलेजों के आवेदन आए थे, लेकिन देर रात तक यह संख्या 54 तक पहुंच गई। जैसी की उम्मीद थी ज्यादातर कॉलेज स्व वित्तपोषित प्रणाली के हैं। इस सूची में शशिभूषण गर्ल्स डिग्री कॉलेज और खुन-खुनजी गर्ल्स डिग्री कॉलेज के साथ ही दो अनुदानित कॉलेज भी शामिल हैं। इन कॉलेजों ने लविवि के पास काउंसलिंग के लिए निर्धारित फीस भी जमा कर दी है। लविवि ने प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के लिए यह फीस एक लाख रुपये तथा सामान्य पाठ्यक्रम के लिए 50 हजार रुपये निर्धारित की है। कॉलेजों को इसके साथ ही सर्विस टैक्स भी देना है। इस तरह से लविवि को कॉलेजों से कुल मिलाकर एक करोड़ 30 लाख 98 हजार रुपये प्राप्त हुए हैं।

इन कॉलेजों ने दी सहमति

1. शेरवुड कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड मैनेजमेंट - बीकॉम आनर्स, बीबीए ट्रिज्म, 2. एसकेडी एकेडमी - बीकॉम, बीएससी जेडबीसी, 3. गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन - बीबीए, बीवीए बीएफए, 4. सीडी गर्ल्स कॉलेज - बीए, बीकॉम, बीएलएड, 5. अर्जुनगंज विद्या मंदिर - बीए, बीकॉम, 6. मॉडर्न कॉलेज ऑफ एजुकेशन (बीकॉम, बीएलएड) 7. मॉडर्न गर्ल्स कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (बीबीए, बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, बीजेएमसी) 8. इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव एंड कॉरपोरेट मैनेजमेंट (बीबीए, बीकॉम ऑनर्स) 9. हीरालाल यादव लॉ कॉलेज (एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स 10. हीरालाल यादव बालिका डिग्री कॉलेज- बीए, बीकॉम, बीएससी जेडबीसी, एमकॉम 11. डॉ. आशा स्मृति महाविद्यालय- बीलिब 12. रजत गर्ल्स डिग्री कॉलेज- बीए 13. रजत पीजी कॉलेज-बीए, बीकॉम, बीएससी पीसीएम, बीएससी जेडबीसी, एमए, एमएससी, बीपीएड, एमपीएड, बीएलएड, एमएड 14. सुभाष चन्द्र बोस इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन- बीकॉम, बीएससी पीसीएम, बीएससी जेडबीसी 15. रजत वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट-बीएलएड, एमएड 16. रजत कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट-बीएलएड, एमएड 17. श्री महेश प्रसाद डिग्री कालेज- बीए, बीकॉम, बीएससी एग्रीकल्चर 18. एरा लखनऊ कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट-बीए, बीकॉम 19. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज- बीएससी पीसीएम 20. कॉलेज ऑफ इनोवेटिव मैनजमेंट-बीसीए, बीकॉम 21. आरएएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज-बीए, बीकॉम 22. लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट-बीबीए, बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, बीकॉम 23. वीर बहादुर सिंह महाविद्यालय- बीकॉम, बीए 24. भालचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट-बीएससी एग्रीकल्चर 25. लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज- बीबीए, बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, बीजेएमसी, बीकॉम, बीएससी 26. बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सांसेइन्स-बीएलएड, बीबीए, बीकॉम 27. डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल डिग्री कॉलेज-बीए, बीएससी बायो 28. नवंदेश्वर लॉ कॉलेज-एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स 29. एकेजी कॉलेज- बीकॉम 30. शशिभूषण डिग्री गर्ल्स कॉलेज-बीकॉम, बीए 31. श्री गुरुनानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज-बीए, बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, बीबीए, एमकॉम प्योर, एमकॉम अप्लाइड, एमए 32. श्री दुर्गा शिक्षा निकेतन पीजी कॉलेज- बीएलएड, बीकॉम 33. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर लॉ कॉलेज-एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स 34. श्री दुर्गा शिक्षा निकेतन कॉलेज-बीएलएड, बीकॉम 35. एरम गर्ल्स डिग्री कॉलेज-बीए, बीकॉम, बीएससी जेडबीसी, एमए, एमकॉम, एमएड 36. टेकनो इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन-बीजेएमसी, बीबीए, बीवीए बीएफए, बीसीए, बीकॉम, बीएससी जेडबीसी, बीएससी मैथ, एमकॉम 37. लखनऊ लॉ कॉलेज- एलएलबी, एलएलबी आनर्स 38. ब्राइट कॅरियर गर्ल्स डिग्री कॉलेज-बीएससी जेडबीसी, बीएससी मैथ 39. इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज- बीबीए, बीकॉम 40. फ्लोरेंस नाइटेंगल पब्लिक वूमेन कॉलेज- बीए 41.द स्टडी हॉल कॉलेज- बीबीए 42. एरम कॉलेज-बीएलएड, बीकॉम 43.ज्यूरिस लॉ कॉलेज-एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स 44. रामा महाविद्यालय- बीए, बीकॉम 45. श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय-बीएलएड, बीकॉम 46. सरदार भगत सिंह कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन-बीए, बीकॉम, बीबीए 47. खुन-खुनजी गर्ल्स पीजी कॉलेज- एमए 48. आईटीएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन- बीकॉम 49. मां वैष्णो देवी एजुकेशनल लॉ कॉलेज- एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स 50. सिटी वुमेन्स कॉलेज-बीएलएड 51. सिटी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट- बीबीए, बीसीए, एमएड 52. सिटी एकेडमी लॉ कॉलेज-एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स 53. सिटी कॉलेज-बीएलएड 54. सिटी एकेडमी डिग्री कॉलेज-बीकॉम ऑनर्स, बीकॉम, एमएड

HINDUSTAN Page 6

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया फैसला, कई विभाग बांट रहे ऐसी डिग्रियां

विभाग एक कोर्स की दो डिग्री नहीं बांट सकेंगे

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब विभाग एक ही पाठ्यक्रम की अलग-अलग डिग्रियां नहीं बांट सकेंगे। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन ने अहम फैसला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से गुरुवार को समिति बनाई गई है। समिति डिग्रियों पर विचार करने के बाद 10 जुलाई को अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कई ऐसे विभाग हैं जो दो संकायों में एक ही पाठ्यक्रम की अलग-अलग डिग्रियां बांटते हैं। जैसे विश्वविद्यालय का गणित विभाग एमए गणित का पाठ्यक्रम चलाने के साथ ही एमएससी गणित का भी पाठ्यक्रम चलाता है। इसी तरह से सांख्यिकी विभाग एमए सांख्यिकी और एमएससी सांख्यिकी पाठ्यक्रम संचालित करता है। फॉरेन्सिक साइंस और एन्थ्रोपोलॉजी भी ऐसे ही विभाग हैं जो कला और विज्ञान दोनों संकाय में डिग्री देते हैं।

प्रो. यूएन द्विवेदी हैं समिति के अध्यक्ष

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से डिग्रियों पर विचार के लिए गुरुवार को बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्रो. यूएन द्विवेदी की अध्यक्षता में समिति बनाई गई है। इसमें, सांख्यिकी और गणित विभाग के विभागाध्यक्ष भी शामिल हैं। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से यह आदेश जारी किए गए हैं।

> विश्वविद्यालय के कुछ विभाग एक ही विषय में एमए के साथ ही एमएससी की भी डिग्री देते हैं। दोनों डिग्रियों का पाठ्यक्रम एक जैसा है। इसी को ध्यान में रखते हुए बदलाव करने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए समिति बनाई गई है। इससे छात्रों की परेशानी भी दूर की जाएगी। -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

04 चार सदस्यीय समिति बनाई, विश्वविद्यालय ने लिया अहम फैसला

अब शिक्षकों का मूल्यांकन होगा

लखनऊ विश्वविद्यालय अब अपने शिक्षकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शिक्षक ने कितनी क्लास ली, प्रैक्टिकल व गाइडेंस में क्या किया। इसके साथ ही क्लास का रिजल्ट क्या रहा। ऐसे ही बिंदुओं को आधार बनाकर जानकारी ली जाएगी। इसके लिए आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी। इन्ही बिंदुओं के आधार पर हर शिक्षक के आउटपुट का आंकलन किया जाएगा। हाल ही में एक रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को प्रदेश के टॉप विश्वविद्यालय का दर्जा मिला है। इसे स्तर को और ऊंचा उठाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन प्रयास कर रहा है। इस पहल को इसी दिशा में अगला कदम बताया जा रहा है।

4.04 करोड़ रुपये की ग्रांट से विकसित होंगी प्रयोगशालाएं

लविवि को डीएसटी ग्रांट : खरीदे जाएंगे प्रयोगशाला उपकरण

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्सेलेंस प्रोग्राम के तहत 4.04 करोड़ की ग्रांट मंजूर हुई है। इससे विवि अपने यहां रिसर्च और लैब डेवलपमेंट का काम और बेहतर करेगा। लविवि एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है, जिसे विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में विज्ञान आधारित संरचना विकसित करने के लिए वित्तीय सहयोग किया गया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में प्रो. विभूति राय ने फरवरी 2020 में आईआईटी दिल्ली में एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के समक्ष विवि के पर्स अनुदान से संबंधित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें बेहतर रिसर्च और उनके इम्पैक्ट फैक्टर की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। इसके जरिये विवि ने न सिर्फ नई ग्रांट के लिए मजबूत दावा प्रस्तुत किया, बल्कि पूर्व में लैप्स अनुदान के उपयोग की भी अनुमति पाने में सफल रहा। इसी क्रम में हाल ही में स्वीकृत ग्रांट में विवि को इस वित्तीय वर्ष के लिए 4.04 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। यह विवि की एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि कोविड-19 को देखते हुए सरकारी वित्त पोषित परियोजनाओं पर कम से कम एक वर्ष के लिए रोक लगा दी गई है। प्रो. राय ने कहा कि विवि जल्द ही अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित करने के लिए उपकरणों की खरीद के लिए विज्ञान संकाय से विशेषज्ञों की एक संचालन समिति गठित करेगा।

तीन साल पहले मंजूर हुए थे 8.37 करोड़

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि को डीएसटी-पर्स कार्यक्रम के दूसरे चरण में 2017 में चार साल के लिए 8.37 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। पहली किस्त में 2.87 करोड़ रुपये अनुमोदित हुए। इसे भौतिकी विभाग, गणित और खगोल विज्ञान विभाग और सांख्यिकी विभाग में प्रयोगशाला विकसित करके उपयोग किया गया। प्रयोगशाला और तकनीकी कर्मचारियों के 10 पदों को भी रोजगार प्रदान किया गया है। इस अनुदान के एक करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग कार्यक्रम के पहले दो वित्तीय वर्षों में नहीं किया जा सका और यह अनुदान डीएसटी को वापस कर दिया गया।

THE PIONEER Page 4

NBT Page 6

एलयू में शिक्षकों को बताना होगा, कितना पढ़ाया?

■एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में अब शिक्षकों से उनके पिछले वर्ष की परफार्मेंस का आउटपुट लिया जाएगा, जिसके आधार पर उनका रिव्यू किया जाएगा। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक, एलयू को हाल ही में यूपी की नंबर एक यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला है। इसके आगे भी बरकरार रखने के लिए एलयू प्रशासन हर स्तर पर प्रयास कर रहा है। अब शिक्षकों से उनका आउटपुट लिया जाएगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसमें स्टूडेंट्स को कितना पढ़ाया, कितनी क्लास, प्रैक्टिकल और गाइडेंस दी। साथ ही उनकी क्लास का रिजल्ट क्या रहा सहित कई जानकारी देनी होगी। इसके लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन निकाला जाएगा।

एलयू को ₹4.04 करोड़ का बजटः लखनऊ विश्वविद्यालय को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च ऐंड साइंटिफिक एक्सीलेंस प्रोग्राम (डीएसटी-पर्स) के तहत 4.04 करोड़ रुपये का अनुमोदन किया गया है। एलयू की यह बड़ी उपलब्धि है। यह धनराशि गत वर्ग और अलगे वर्ष के लिए साइंटिफिक रिसर्च और प्रयोगशालाओं में खर्च होगी।

i-NEXT Page 4

4.4 करोड़ से निखरेगी एलयू की लैब की रंगत

LUCKNOW : एलयू लविवि के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमोशन के लिए 4.4 करोड़ की मंजूरी मिली है. जल्द ही यह राशि विवि प्रबंधन के खाते में आएगी. इससे अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित करने के लिए उपकरणों की खरीदारी की जाएगी. जल्द ही उपकरणों की खरीद के लिए विज्ञान संकाय से विशेषज्ञों के एक संचालन समिति का गठन किया जाएगा.

प्रयोगशालाओं को विकसित करने के लिए जल्द ही उपकरण की होगी खरीदारी

बेहतरीन यूनिवर्सिटी

प्रवक्ता दुर्गेश कुमार ने बताया कि लविवि को एक मात्र राज्य विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है. इस कारण विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर विज्ञान आधारिक संरचना विकसित करने के लिए वित्त पोषण के लिए पहचाना गया है. यह अनुदान केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों को दिया जाता है जिनके पास बहुत अच्छे अनुसंधान कार्यों का रिकॉर्ड होता है. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीएसटी के साथ विवि के प्रो. विभूति राय के माध्यम से इस मामले का संज्ञान लिया. प्रो. विभूति राय ने फरवरी 2020 के आइआइटी दिल्ली में एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के समक्ष विवि ने अनुदान से संबंधित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की. उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन रिकॉर्ड के साथ एक प्रभावशाली प्रस्तुति से यह बात स्पष्ट हुई कि विश्वविद्यालय के विज्ञान विभागों की प्रमुख उपलब्धियों की वजह से लखनऊ विश्वविद्यालय देश के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों में से एक है.

एलयू को 4.04 करोड़ मिले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से 4.04 करोड़ रुपए का अनुदान मिला है। विभाग की प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साईंटिफिक एक्सलेन्स प्रोग्राम के तहत इस राशि का अनुमोदन किया गया है।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह अनुदान सिर्फ अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड वाले विश्वविद्यालयों को ही दिया जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. विभूति राय के प्रयासों से यह सफलता मिली है।

DAINIK JAGRAN Page 6

लविवि : एक विभाग दो संकायों में नहीं बांट सकेगा डिग्री

जासं, लखनऊ : लविवि में अब एक विभाग दो संकायों में डिग्री नहीं बांट सकेगा। गुरुवार को यह व्यवस्था लागू करने के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया। इस संबंध में समिति की रिपोर्ट आते ही व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

विवि प्रशासन की ओर से गुरुवार को बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्रो. यूएन द्विवेदी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया। सांख्यिकी और गणित के विभागाध्यक्ष को भी रखा गया है। सांख्यिकी विभाग में एमए सांख्यिकीय और एमएससी सांख्यिकी दोनों पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। गणित सांख्यिकी के अलावा फोरेंसिक सांइस और एंथ्रोपोलॉजी में भी कला व विज्ञान दोनों संकाय में डिग्री देते हैं। कुलपति ने बताया कि यह कुछ विभाग ऐसे हैं जो एमए और एमएससी दोनों की डिग्री देते हैं। इससे छात्रों को दिक्कत होती थी।

PIONEER Page 3 & 4

सूबे के 73 जनपदों में होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 9 अगस्त को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2020 सूबे के 73 जनपदों में संपन्न कराई जाएगी। प्रवेश परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए शासन की मंशा के अनुरूप लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से किसी भी निजी कालेज को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है। इस बाबत बीएड प्रवेश परीक्षा की स्टेट नोडल ऑफिसर प्रोफेसर अमिता बाजपेई ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिये 19 नोडल केन्द्र बनाये गये हैं। प्रवेश परीक्षा में 4 लाख 31 हजार 904 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जिन जनपदों में 20 से अधिक परीक्षा केन्द्र स्थापित किये जाने हैं उनमें विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को ही नोडल कोआर्डिनेटर नामित किया जाए। आगामी 9 अगस्त को आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2020 के परीक्षा परिणाम की घोषणा 28 अगस्त को की जायेगी तथा काउंसिलिंग की प्रक्रिया 14-17 सितम्बर 2020 के बीच सम्पन्न करायी जायेगी।

एलयू को मिले 4.04 करोड़

लखनऊ। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्सलेन्स प्रोग्राम के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय को 4.04 करोड़ रुपये से अधिक राशि का अनुमोदन किया गया है। प्रदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है, जिसे विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर विज्ञान आधारित संरचना विकसित करने के लिए वित्त पोषण के लिए पहचाना गया है।

LU gets ₹ 4.04-crore DTS-PURSE grant

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University has received over Rs 4.04 crore under the Department of Science and Technology Programme called Promotion of University Research and Scientific Excellence (PURSE). Media spokesperson Durgesh Srivastava said LU has the distinction of being the only state university to have been identified for this massive funding for developing scientific infrastructure in various departments of the Science faculty.

"The DST-PURSE grant is sanctioned only to those universities which have a proven track record of very good research work, substantiated by publications with very high impact factor and H-index. The second phase of the DST-PURSE programme was sanctioned after successful completion of the first phase in the year 2017, in which a total sum of about Rs. 8.37 crore was sanctioned for four years," he said. In the first installment, a sum of Rs 2.87 crore was sanctioned, which was utilised by developing an advanced computation lab in the departments of Physics, Mathematics & Astronomy and Statistics. In the department of Botany, Electrophoresis for compact system for molecular level analysis, micro centrifuge, Clevenger apparatus and advanced sample processing laboratory have been established. In the grant of the first year, 10 positions of laboratory and technical staff were also provided employment.

"Unfortunately, more than Rs one crore of this grant could not be utilised in the first two financial years of the programme and it was returned to the DST. Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai pursued the matter with the DST through Prof Vibhuti Rai, who presented the progress report before a high-powered expert committee at IIT-Delhi in February earlier this year. The impactful presentation, along with the key achievements of the Science departments, by way of high-quality publication records, placed LU as one of the best DST-PURSE funded universities in the country in terms of performance. This performance not only allowed to get the sanction for the next year's grant, but also allowed utilisation of the last year's lapsed grant," Srivastava explained.

He further said that in a recent sanction order, LU was sanctioned a sum of Rs 4.04 crore for this financial year.

"This is a great achievement on the part of the university as under the present scenario of coronavirus pandemic, all other government-funded projects have been put on hold for release of grants at least for a year. The university is soon going to constitute a steering committee of experts from the Faculty of Science to proceed for procurement of equipment in order to develop state-of-the-art laboratories in the 100th year of its existence," he added.

AMRIT VICHAR Page 3

लविवि में मिलेगा विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा

अमृत विचार लखनऊ

- प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफ़िक एक्सीलेंस प्रोग्राम के तहत 4.4 करोड़ रुपये से अधिक राशि मंजूर

लखनऊ विश्वविद्यालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में शोध को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साईंटिफ़िक एक्सलेंस प्रोग्राम के तहत 4.4 करोड़ रुपये से अधिक राशि का अनुमोदन किया गया है। खास बात यह है कि लखनऊ विश्वविद्यालय को एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है, जिसे विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर विज्ञान-आधारिक संरचना विकसित करने के लिए वित्त पोषण के लिए पहचाना गया है। यह अनुदान केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों को स्वीकृत किया जाता है, जिनके पास बहुत अच्छे अनुसंधान कार्यों का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड होता है। कार्यक्रम का दूसरा चरण वर्ष 2017 में पहले चरण के सफल समापन के बाद विश्वविद्यालय को स्वीकृत किया गया था, जिसमें कुल 4 साल के लिए 8.37 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। पहली किस्त में, 2.87 करोड़ रुपये अनुमोदित हुए, जिसे भौतिकी विभाग, गणित और खगोल विज्ञान विभाग और सांख्यिकी विभाग में एक उन्नत संगणना प्रयोगशाला विकसित करके उपयोग किया गया। बॉटनी विभाग में आणविक स्तर के विश्लेषण हेतु एलेक्ट्रोफोरेसिस का कॉम्पैक्टसिस्टम, माइक्रोसेंट्रीफ्यूज, क्लेवेंजर उपकरण और उन्नत सांपल प्रसंस्करण प्रयोगशाला स्थापित किए हैं।

TOI Page 2

Time for LU to turn a new page with best practices, innovation

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: The ONGC multi-disciplinary research centre at Lucknow University, which has the potential to meet 'innovation and best practices' parameter of the National Assessment and Accreditation Council (NAAC), is lying defunct for quite some time.

The building was constructed in 2016 to set up 10 interdisciplinary research centres in various fields and the move could have helped

LU PART-II

the university score better in NAAC "innovations" but only two centres—mining and wildlife—have been established so far.

'Innovation and best practices' parameter carries 100 marks of which LU scored below 50 when the last NAAC assessment was done in 2014. NAAC had then advised the university to boost innovations.

A senior professor who has also served as LU pro-vice-chancellor said: "According to NAAC, best practices include rainwater harvesting, solid waste management, teacher-parent interaction, besides role model theories in which role reversal is done, that is, a student plays the role of a teacher and teacher becomes student."

OPTIONS FOR EXCELLENCE

WHAT LU CAN START DOING
- Regular interaction between parent and teachers
- Cell for interface of academia and industry
- Adoption of villages by students
- Centralised database of research activities
- Hall of Fame to showcase talent of students

WHAT LU STARTED BUT DISCONTINUED
- Plantation drive, plastic ban & waste management
- Annual Kala Mela, railway reservation & postal counters for students
- Sports stadium and inter-college/departmental annual athletic/sports meet
- ONGC building and student facility centre infrastructure underutilised
- Defunct meritorious council and digitisation work of Tagore Library

"In last five years, LU has only been able to install solar panels on the old campus," he added.

Initiatives like plantation drive, zero use of plastic and waste management were dropped midway.

"Art fair or 'Kala Mela', coaching for SC/ST students and annual sports meet that started in the past few years were also discontinued," said another professor.

"In the name of innovation in teaching, LU has introduced only YouTube channels for hosting lectures. Other academic activities remain as earlier," she added.

Students also complain that departments are not following academic calendars properly.

"In other universities, teaching is done as per academic calendar but LU authorities forget it after uploading on the website. Results are rarely announced in time. Like other institutes, LU should provide students access to digitised research journals to boost research aptitude," said Shishir Singh, a BSc student.

Students said innovation in teaching would ensure good attendance while best practices would help them stay motivated.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said he was trying to bring about a change by introducing innovations and best practices.

"We have introduced 'Our pupils' day' wherein a teacher spends a day in a week with students to solve their academic and personal problems. We have already started department-wise YouTube channels which have helped in continuing education in online mode during Covid-19 pandemic. We will also launch community radio. Also, Tagore library will have a section of digitized content created by our teachers," he said.

Prof Rai added that plans are afoot to have four more research centres in the ONGC building—a "happy thinking" lab to help students manage stress and three research institutes on hydrocarbons, innovations and food science & technology.

"LU also came up with a sanitizer and herbal drink which was a result of research and innovation in our lab," he added.

DAINIK JAGRAN CITY Page 1

विरासत के पथ पर आधुनिकता के कदम

स्पेन के संस्थान सीएसआइसी की ओर से जारी वेब मैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज में लखनऊ विश्वविद्यालय यूपी में टॉप पर

● सौरभ तुवाना

पारंपरिक शिक्षा ही नहीं बल्कि शिक्षण के नए आयामों में लखनऊ विश्वविद्यालय नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। यह इसी बात से समझा जा सकता है कि स्पेन के संस्थान सीएसआइसी की ओर से जारी वेब मैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज में लविवि उत्तर प्रदेश के टॉप यूनिवर्सिटी बनकर उभरा। लविवि की वेबसाइट पर उपलब्ध वैज्ञानिक शोध, खेल, सांस्कृतिक, साहित्यिक सामग्री इतनी उत्कृष्ट रही कि उसे यह सम्मान हासिल हुआ। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसे 2447वां, राष्ट्रीय स्तर पर 97वां स्थान प्राप्त हुआ है। देश की अव्वल दर्जे की यूनिवर्सिटी बनने के लिए भी लविवि प्रयत्नरत है और इसके लिए कई कदम उठाए भी गए हैं। आइए जानते हैं किस तरह अध्यापन के क्षेत्र में लविवि ने न सिर्फ अपनी विरासत को संजोए रखा, बल्कि दुनिया की चाल से चाल मिलाने के लिए खुद को अपडेट भी किया।

अब टारगेट देश में पहले नंबर का

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए सत्र से विवि के शैक्षणिक कार्यक्रमों में कुछ बदलाव किए जा रहे हैं। विभागों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रैक्टिकल्स बतासेज की व्यवस्था की जा रही है। लेबरेटरी की और अच्छी व्यवस्था होगी। यहां विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए शासन से लेकर पूरा विवि प्रशासन सतत प्रयासरत है। अब हमारा टारगेट विवि को देश में पहले स्थान पर लाना है।

● आशीष अवस्थी

हर विभाग का अपना कुछ नवाचार: विवि के प्रवक्ता दुर्गेश कुमार ने बताया कि उनके यहां सभी 49 विभागों का हाल में ही आधुनिकीकरण किया गया है। सभी विभागों के अपने यूट्यूब चैनल हैं, जिन पर पर्याप्त शिक्षण सामग्री उपलब्ध है। इसके अलावा वेबसाइट पर भी ओपन डीएचएस रिपोजिटरी है, जिसे खोलकर कोई भी विद्यार्थी पढ़ सकता है। यह कवायद इसलिए की गई कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। अध्यापन के लिए इस जरिये का इस्तेमाल आज अपरिहार्य हो गया है। हर किसी के हाथ में स्मार्ट फोन है। विद्यार्थी कक्षा के साथ ही घर पर भी पढ़ाई कर सकते हैं।

विवि को रिसर्च के लिए मिली पर्स स्कीमः प्रो. फूगा टंडन के मुताबिक, लविवि के शोध विदेशों तक विख्यात हैं। वहां के प्रोफेसर अमेरिका, ब्राजील, इटली, पोलैंड के साथ ही अन्य देशों में भी शोध करने के लिए जाते रहते हैं। वहां के अच्छे शोध के कारण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा पर्स स्कीम दी गई। इसमें विवि को रिसर्च के लिए अच्छी फंडिंग मिलती है। यहां के कई शिक्षकों और विद्यार्थियों को रिसर्च के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।

जमीनी समेत कई देशों में रिसर्च कर रहे छात्र के हियाशीः बनारस निवासी अविनाश चतुर्वेदी ने वर्ष 2014 में लविवि से खगोल विज्ञान में बीएससी किया था। वह बताते हैं कि देश में पहला विवि है जहां बीएससी में एस्ट्रोनॉमी (खगोल विज्ञान) है। अविनाश अब जर्मनी की म्यूनिख सिटी स्थित दूरबीन सहित ऑब्जर्वेटरी से खगोल विज्ञान में पीएचडी कर रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य विद्यार्थी हैं जो विदेश स्थित विवि अथवा लैबोरेटरी में रिसर्च कर रहे हैं।

नए सत्र से प्रैक्टिशनर्स लेंगे क्लासः कुलपति ने बताया कि नए सत्र से यहां यह व्यवस्था की जा रही है कि प्रैक्टिशनर्स विभागों में क्लास लेंगे। जैसे न्यायमूर्ति विधि विभाग, बड़े नामचीन राजनेता राजनीति शास्त्र, वैज्ञानिक विज्ञान विषय, शोध के क्षेत्र के लोग शोधार्थियों को कक्षाएं लेंगे। इससे यहां के विद्यार्थियों को अच्छा माहौल मिलने के साथ ही उन्हें उस क्षेत्र के लिए मार्गदर्शन भी मिलेगा।

कर्मचारी स्कीम से कल्ले को मिलेगी फॉर्टिफ मनी भीः कर्मचारी स्कीम से कल्ले यहां पढ़ाई के साथ ही अपना खर्च भी निकाल सकेंगे। वह व्यवस्था भी अगले सत्र से शुरू होगी। इसमें जैसे पत्रकारिता और कंप्यूटर से जुड़े हुए विद्यार्थियों को यूट्यूब और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी दी जाएगी। जो पढ़ने में अच्छे हैं उन्हें लेक्चरशिप का भी मौका दिया जाएगा।

25 नवंबर 1920 की हुई थी स्थापना

17 जुलाई 1921 को पहला सैशनः सत्र हुआ था शुरू

02 अप्रैल 1941 को टैगोर लाइब्रेरी को मिला था भवन

08 संकाय है और विभागों की संख्या 60 है

500 के करीब यहां शिक्षक दे रहे शिक्षा

344 अस्थाई शिक्षकों की भी है तैनाती

16 हॉस्टल हैं, जिनमें 11 ब्वायज व पांच गर्ल्स हॉस्टल है

1:70 है शिक्षक और छात्रों का अनुपात

91 वां स्थान लविवि का राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर 2447वां स्थान

200 से अधिक देशों के 30,000 उच्च शिक्षण संस्थानों का किया गया म